

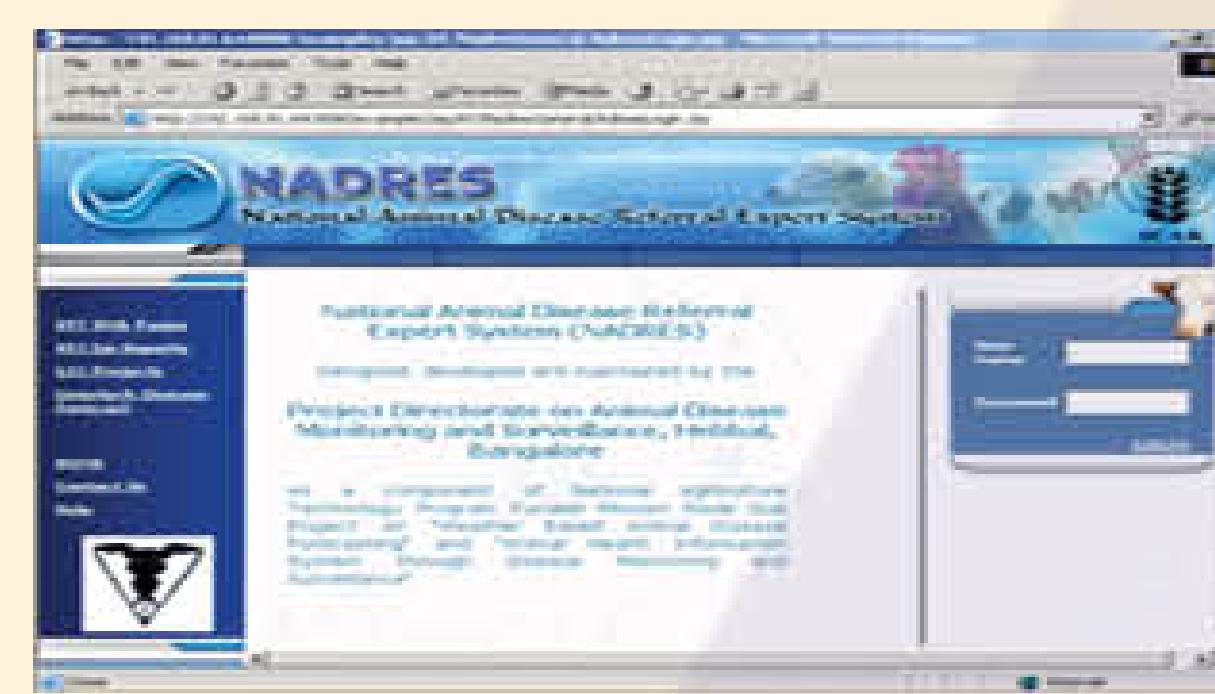
राष्ट्र की सेवा में उभरता हुआ संस्थान

निवेदी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत पशु महामारी पर अनुसंधान करने वाला संस्थान है।
अपनी स्थापना काल से ही संस्थान ने पशु-रोग जानपदिक और निदान तकनीकी विकसित करके कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

संस्थान द्वारा विकसित कुछ तकनीकीयां

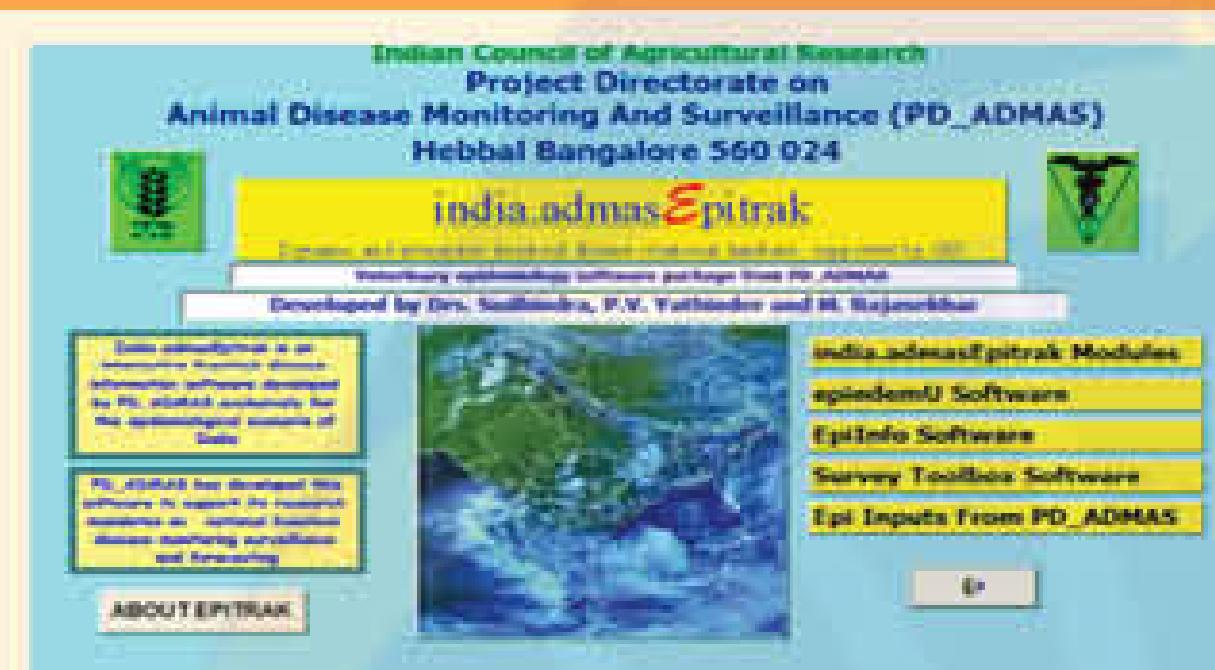
राष्ट्रीय पशु रोग विशेषज्ञ रेफरल प्रणाली (NADRES)

- जिले स्तर पशुधन में होने वाले पंद्रह प्रमुख रोगों की दो महीने पहले भविष्यवाणी करने वाला महामारी विज्ञान सॉफ्टवेयर
- पशु चिकित्सकों, प्रशासकों, टेक्नोक्रेट, अनुसंधान कर्मीयों, किसानों, पशु चिकित्सा कॉलेजों और छात्रों के लिए उपयोगी
- यह www.nadres.res.in वेबसाइट पर उपलब्ध है



इंडिया.एडमास ईपिट्रैक (india.admasEpitrak)

- इस सॉफ्टवेयर का उपयोग सभी प्रमुख पशु रोग की महामारी के विश्लेषण के लिए किया जा सकता है।
- पशु रोग नियंत्रण में इसके महत्व को ध्यान में रखकर भारतीय पशु चिकित्सा परिषद ने इसे पशु चिकित्सा के स्नातक छात्रों के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है।



ई-बुलेटिन EpiNET.India

इसके माध्यम से हर माह राज्य सरकार के पशु विभाग को महामारी रोग फैलने और नियन्त्रण की दिशा-निर्देश जारी किया जाता है।



Vol. 2 Issue 4 | March, 2015

राष्ट्रीय पशुधन सीरम भंडार



संस्थान में आधुनिक उपकरणों से सञ्जित जैव सुरक्षा प्रयोगशाला कार्यरत है।
अपने आप में यह एक अनूठी सुविधा है जिसमें अधिकतर पशुरोगों के कारक जीवाणुओं और विषाणुओं पर सुरक्षित तरीके से शोध कार्य किया जा सकता है।

जैव-सुरक्षा प्रयोगशाला BIO-SAFETY LABORATORY



छ र कदग, छ र डग
किसानों का छमासफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

Agrisearch with a Human touch

आईबीआर के लिए एवीडीन बायोट्रिन अप्रत्यक्ष एलिसा किट

संक्रामक गोजातीय राइनोट्रेकीयायटीस (आईबीआर) गाय और भैंस का संक्रामक रोग है इस रोग के निदान के लिए संस्थान ने अत्यधिक संवेदनशील एवीडीन बायोट्रिन अप्रत्यक्ष एलिसा किट को विकसित किया है।



यह किट तथा मूल्य पर विक्री के लिए पशु रोग निदान प्रयोगशालों और शोध के लिए संस्थान में उपलब्ध है।

लेप्टोस्पाइरा अभिरंजन किट

लेप्टोस्पाइरा एक धातक जीवाणु है जिससे पशुओं में बाँझापन, उत्पादकता में कमी और गर्भापात्र जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। यह मनुष्यों को भी प्रभावित कर सकता है। संस्थान ने लेप्टोस्पाइरा अभिरंजन किट को विकसित किया है जिससे नमूनों में इस जीवाणु को अभिरंजीत करके सूक्ष्मदर्शी से देखा जा सकता है। एक किट में 100 स्लाइड धुंलने करने की क्षमता है। यह किट तथा मूल्य पर विक्री के लिए पशु रोग निदान प्रयोगशालों और शोध के लिए संस्थान में उपलब्ध है।



भेड़ और बकरियों में ब्रूसेलोसिस के लिए अप्रत्यक्ष एलिसा किट

ब्रूसेलोसिस भेड़ और बकरियों का एक महत्वपूर्ण प्रजनन रोग है।

संस्थान में विकसित यह एलिसा किट देश भर में छोटे जुगाली करने वाला पशुओं में ब्रूसेलोसिस की सीरो स्क्रीनिंग के लिए उपयोगी है। इस तकनीकी को पेटेंट भी प्रदान किया गया है (तिथि: 20/01/2012, Patent No. 250709).

यह किट तथा मूल्य पर विक्री के लिए पशु रोग निदान प्रयोगशालों और शोध के लिए संस्थान में उपलब्ध है।



पशुओं और मनुष्यों में ब्रूसेलोसिस के निदान के लिए प्रोटीन-जी एलिसा किट

विभिन्न पशुओं और मनुष्यों में ब्रूसेलोसिस रोग का पता लगाने के लिए अलग अलग परीक्षण किट बाजार में उपलब्ध है।

संस्थान द्वारा विकसित यह एक ही किट गाय भैंस, बकरी, भेड़, ऊंट और मनुष्यों में इस रोग के संक्रमण को पता लगाने में सक्षम है।

यह किट तथा मूल्य पर विक्री के लिए पशु रोग निदान प्रयोगशालों और शोध के लिए संस्थान में उपलब्ध है।

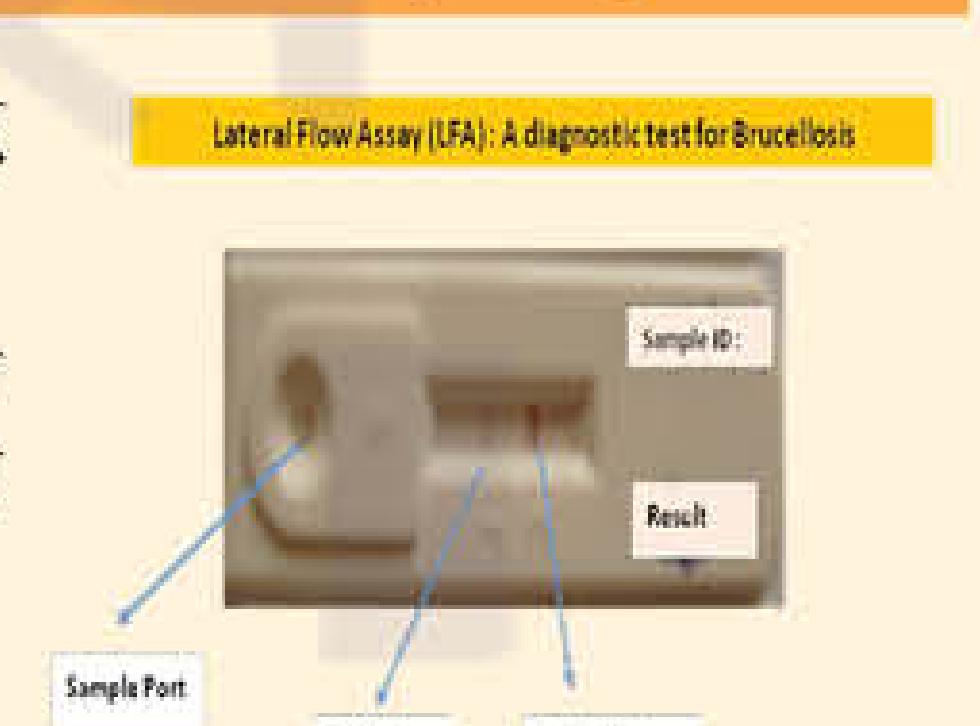


पशुओं में ब्रूसेलोसिस के निदान के लिए पार्श्व प्रवाह परख (LFA)

निवेदी द्वारा यह किट पशुओं में ब्रूसेलोसिस का पता लगाने के लिए विकसित किया गया है।

इसका इस्तेमाल बहुत ही आसान है। इसमें जांच के लिए पशु रक्त या सीरम का उपयोग होता है तथा किट में बने पट्टी पर रंग परिवर्तन को देख कर निष्कर्ष निकाला जा सकता है।

पशु चिकित्सकों के उपयोग के लिए यह काफी सुविधाजनक है।



संस्थान ने देश में पहली बार बकरी से प्राप्त ब्रूसिला मेलिटेंसीसी एडमास-G1 का पूरे जीनोम अनुक्रमण के कार्य को पूरा किया।



भाकृअनुप- राष्ट्रीय पशुरोग जानपदिक एवं सूचना विज्ञान संस्थान
ICAR- National Institute of Veterinary Epidemiology and Disease Informatics

पोस्ट बॉक्स 6450, यलहंका, बैंगलुरु 560064, कर्नाटक

फोन: 080-23093110, 23093111 फैक्स: 080-23093222, वेबसाइट: www.nivedi.res.in, ईमेल: director.nivedi@icar.gov.in

